हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, मंगलवार 20 अक्टूबर 2026

तापमान

अधिकतम 33 .5 डिग्री
न्यूनतम 16 .0 डिग्री

11 पुलिस का चला अभियान, ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले 1687 वाहन चालकों के काटे चालान



12 बेरली में 150 फीट के रावण का होगा दहन, शहर में रामलीला समितियों ने रोहतक से मंगवाए 60-60 फीट के पुतले



खबर संक्षेप

मारपीट मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। कसोला थाना पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर गत सप्ताह कसोला गांव के कई लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। पीड़ति के साथ लाठी-डंडों से मारपीट की गई थी। तीन आरोपियों को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। अब इस मामले में कसोला निवासी संतराम और रामअवतार को गिरफ्तार किया है। बाद में दोनों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

सड़क हादसों के आरोपी चालक काबू

रेवाड़ी। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर हादसों के बाद फरार हुए दो वाहन चालकों को गिरफ्तार किया है। खोल थाना पुलिस ने जैसलमेर हाइवे पर हादसा होने के बाद गत 15 जून को केस दर्ज किया था। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। पुलिस ने इस मामले में राजस्थान के झुनझुनु निवासी अविराज को गिरफ्तार कर लिया। एक अन्य हादसे के बाद 9 अक्टूबर को दर्ज मामले में पुलिस ने यूपी के रामपुर निवासी हनीफ को गिरफ्तार किया है। इस हादसे में बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसके ट्रक को भी कब्जे में लिया गया है।

पोक्सो एक्ट का आरोपी भेजा गया जेल

रेवाड़ी। थाना मॉडल टाउन पुलिस ने नाबालिग का अपहरण करने के बाद यौन शोषण करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पीड़ित पक्ष के बयान पर पुलिस ने राजस्थान के गहनकर निवासी विक्रम के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। आरोपी केस दर्ज होने के बाद से फरार चल रहा था। पुलिस ने उसे शहर के एक निजी अस्पताल से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

रमाबाई सामाजिक उत्थान संस्था की आम सभा 25 को

रेवाड़ी। माता रमाबाई सामाजिक उत्थान संस्था आजाद नगर की बैठक प्रधान बुधराम पंवार की अध्यक्षता में हुई। प्रेस सचिव बहादुर सिंह ने बताया कि संस्था की वार्षिक आम सभा का आयोजन आगामी 25 अक्टूबर को सुबह 10 बजे संस्था परिसर में किया जाएगा। 10 अक्टूबर को हुई मासिक में निर्णय के बाद संस्था सदस्यों को 15 दिन का नोटिस वाट्सएप व मैसेज के माध्यम से भेजा जा चुका है। सोमवार की बैठक में वार्षिक आम सभा के सभी आवश्यक शेड्यूल तैयार कर सदस्यों को भेजे गए। बैठक में कोषाध्यक्ष नारायण सिंह तंवर, संरक्षक आरपी मेहरा तथा कार्यकारिणी सदस्य पृथ्वी सिंह पूनिया, रोहताश सिंह, प्रेम कुमारी, सुमित्रा देवी, अशोक कुमार व राकेश कुमार उपस्थित रहे।

अनाजमंडी में अब तक तीन लाख क्विंटल बाजरे की आवक, अब तक 11826 गेटपास काटे गए

अनाजमंडी के बाहर रात को ही लग रही ट्रैक्टरों की कतार

जल्दी नंबर के चक्कर में सुबह तक किसानों का इंतजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिले की रेवाड़ी व कोसली अनाजमंडी में बाजरे की भारी आवक हो रही है। अनाजमंड़ियों में व्यापारियों की ओर से ही बाजरे की खरीद की जा रही हैं। किसानों को 2200 से 2400 प्रति क्विंटल तक फसल के भाव मिल रहे है। अनाजमंडियों में खरीदी गई फसल का धीमा उठान व गोवंश किसानों के लिए परेशानी बने हुए है। रेवाड़ी अनाजमंडी में अब तक 3 लाख क्विंटल बाजरे की आवक हो चुकी है। ई-खरीद पोर्टल के माध्यम से अब तक 11826 गेटपास काटे गए है तथा ई-नेम पोर्टल पर 322 गेटपास काटकर 67282 क्विंटल बाजरे की खरीद की गई है। अनाजमंडी में रोस्टर प्रणाली से किसानों का बाजरा खरीदा जा रहा है। किसान शेड्यूल जारी होने के बाद पहले नंबर के चक्कर में रात को ही ट्रैक्टर लेकर अनाजमंडी के बाहर कतार लगा रहे है।

सोमवार शाम तक 786 गेटपास काटे गए

सोमवार को देर शाम तक को रेवाड़ी अनाज मंडी में शाम 6 बजे तक ई-खरीद पोर्टल पर 786 गेटपास काटे गए तथा 21 हजार 330 क्विंटल बाजरे की आवक दर्ज की गई। आवक का दबाव अधिक रहने के कारण मंडी के दोनों मुख्य प्रवेश से वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। किसान मंडी में ई-खरीद पोर्टल के माध्यम से फसल की बिक्री कर रहे है। मंडी में बाजरा लेकर आने वाले किसानों के ट्रैक्टर-ट्रॉली की जियो फेंसिंग करके वीडियो अपलोड की जा रही है। जियो फेसिंग के बाद मेरी फसल पोर्टल पर भी फसल का सत्यापन किया जा रहा है। किसान का बायोमैट्रिक मशीन पर अंगूठा लगवाकर ट्रैक्टर-ट्रॉली को मंडी में प्रवेश दिया जा रहा है।



रेवाड़ी। अनाजमंडी में बाजरे के कट्टे बनाते हुए मजदूर। फोटो : हरिभूमि

आज इन गांवों के किसानों की होगी खरीद

सोमवार को रेवाड़ी अनाजमंडी में रेवाड़ी, चिताड़ूंगरा, बवाना गुर्जर, टीट, कुंडल, हरजीपुर, ढाणी सांतो, रोलियावास, आलियावास, माखरिया, राजपुरा ईस्तमुरार, धामलावास, तिहाड़ा, आनंदपुर, बगथला, साल्हावास, पांचौर, डवाना व सांपली गांवों के किसान बाजरा लेकर पहुंचे। 20 अक्टूबर को गोबिन्दपुरी, आराम नगर, कनुका, भांडौर, पुंसिका, नंगली गोधा, राजियाकी, गोलियाकी, गुमीना, खेडी मोतला, मुकुंदपुर बसई, धामलाका, जांटी, जाटूवास, जलियावास, ड्योढई, राजपुरा खालसा, धामलावास, पिथड़ावास, ढोकिया, डूमावास, गांगोली, घुड़कावास व बावल के किसान फसल बेच सकेंगे। वही कोसली मंड़ी में मंगलवार को सुमाखेड़ा, कान्हड़वास, गोरिया, बहोतवास भोंदु, कुमरोधा, फतेहपुरी, नेहरुगढ़, मंढोला, सीधा, झाल, शादीपुर, लोहाना व बालधन के किसानों की फसल की खरीद की जाएगी।



फसल उठान धीमा, गोवंश का लगा जमावड़ा



नई अनाजमंडी में खरीदे गए बाजरे की उठान प्रक्रिया काफी धीमी चलने से किसानों को परेशानी उठानी पड़ रही है। अनाजमंडी में तीनों फड़ों सहित सड़क पर भी फसल के कट्टे पड़े हुए है। वही मंडी में हर समय लगा गोवंश का जमावड़ा भी आफत बना हुआ है। किसानों व व्यापारियों की आंख बचाकर गोवंश फसल में मुंह मारकर नुकसान कर रहे है। फसल बचाने के लिए किसानों को स्वयं गोवंशों को बार-बार भगाने के लिए दौड़ना पड़ रहा है।

फरीदाबाद के सूरजकुंड में 23 से 26 तक लगेगा दिवाली मेला

रेवाड़ी। दिवाली से पहले खरीदारी, संगीत और लजीज व्यंजनों का आनंद लेने के लिए फरीदाबाद के सूरजकुंड मेला परिसर में 23 से 26 अक्टूबर तक तीसरे दिवाली मेले का आयोजन किया जाएगा। हरियाणा पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित मेले का शुभारंभ 23 अक्टूबर को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी करेंगे। उद्घाटन समारोह में हरियाणा के विरासत एवं पर्यटन मंत्री डा. अरविंद शर्मा भी मौजूद रहेंगे। वहीं, 26 अक्टूबर को होने वाले समापन समारोह में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि चार दिवसीय मेले में प्रसिद्ध सूफी एवं लोक गायक कंवर ग्रेवाल अपनी गायकी से समां बांधेंगे। सूरजकुंड दिवाली मेले में विशाल फूड कोर्ट में देश के विभिन्न राज्यों के व्यंजनों का स्वाद चखने का अवसर मिलेगा। मेला हस्तशिल्प, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और मनोरंजन से दिवाली की खरीदारी के लिए भी खास रहेगा। डीसी ने बताया कि मेले में लगभग 300 स्टॉल लगाई जाएंगी, जहां देश के विभिन्न क्षेत्रों के हस्तशिल्प, हथकरघा उत्पाद, पारम्परिक कलाकृतियां, घर की सजावट से संबंधित सामान और दिवाली के लिए उपयोगी वस्तुओं की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध होगी।



कोसली के देवी माता मंदिर में लगा मेला

कोसली। कोसली गांव स्थित देवी माता मंदिर में दुर्गा अष्टमी के पावन अवसर पर सोमवार को मेले का आयोजन किया गया। मेले में कोसली सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता रानी के दर्शन करने पहुंचे। श्रद्धालुओं ने माता के दरबार में शीश नवाकर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मेले के दौरान मंदिर में नवजात शिशुओं के मुंडन संस्कार की परंपरा भी निभाई गई। अनेक परिवार अपने बच्चों का मुंडन संस्कार करवाने के लिए मंदिर पहुंचे और माता रानी का आशीर्वाद लिया। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। दिनभर मंदिर में पूजा-अर्चना का सिलसिला चलता रहा। वही बाबा मुक्तेश्वर पुरी मठ में भी पहुंचे श्रद्धालु अष्टमी के अवसर पर श्रद्धालुओं ने बाबा मुक्तेश्वर पुरी मठ में भी माथा टेककर बाबा का आशीर्वाद लिया। श्रद्धालुओं ने अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए मन्नतें मांगीं और परिवार में सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। इस दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। धार्मिक आयोजन के अवसर पर भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। अष्टमी के चलते क्षेत्र में दिनभर भक्तिमय माहौल बना रहा।



अचानक ब्रेक लगाने से ट्रॉले से भिडा डंपर, चालक की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर रविवार की रात काठूवास के निकट अचानक ब्रेक लगाने से टॉले में पीछे चल रहा डंपर घुस गया। इस हादसे में डंपर चालक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद हाइवे पर काफी देर तक जाम लगा रहा। राजस्थान के कोटपुतली निवासी 40 वर्षीय डंपर चालक रमेश रात को डंपर लेकर धारूहेड़ा की ओर जा रहा था। उसके आगे एक ट्रॉला चल रहा था। काठूवास के पास ट्रॉला चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए, जिससे पीछे चल रहा डंपर ट्रॉले में घुस गया। डंपर का चालक रमेश केबिन में बुरी तरह से फंस गया। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने केबिन काटकर चालक को बाहर निकाला, लेकिन तब तक वह दम तोड़ चुका था। पुलिस ने रात को ही शव मार्चरी में रखवा दिया। परिजनों के आने के बाद सोमवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा दिया। केस दर्ज करने के बाद पुलिस ने ट्रॉला चालक की तलाश शुरू कर दी।

एक घंटे तक जाम में फंसे रहे वाहन

रात को हाइवे पर हुए इस हादसे के बाद सड़क का एक हिस्सा अवरुद्ध हो गया। पुलिस ने क्रेन की मदद से दोनों वाहनों को सड़क से हटवाया। इसके बाद ही यातायात सुचारू हो सका। इस दौरान हाइवे पर वाहनों की लंबी लाइन लगी रही, जिससे वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।



माता का प्रसाद लेने के बाद तीन बच्चियां बीमार, अस्पताल में दाखिल करवाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

कस्बा बावल में रह रहे मूल रूप से रोहतक के एक परिवार ने सोमवार को जब माता की पूजा करने के बाद कन्याओं को भोज कराया, तो खाना खाने के बाद तीन बच्चियों की तबियत खराब हो गई। आरोप है कि दुकानदार ने मिलावटी देशी घी दिया था, जिससे बना हलवा खाने से बच्चियों की तबियत बिगड़ गई। तीनों बच्चियों को अस्पताल में दाखिल कराया गया है। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने घी के सैंपल लेकर जांच के लिए लैब भेज दिया है। पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद जांच शुरू कर दी।

रोहतक निवासी सतीश का परिवार बावल में रह रहा है। नवरात्र पूरे होने के बाद उसके परिवार में माता की कढ़ाई की गई थी। सतीश ने बावल के ही एक दुकानदार से देशी घी व अन्य सामान खरीदा था। घर में सुबह के समय हलवा बनाने के बाद कन्याओं को प्रसाद ग्रहण कराया था। खाना खाने के बाद सतीश की 6 वर्षीय पुत्री लीला, पड़ोस की 12 वर्षीय सानिया और डेढ़ वर्षीय साबिया की तबीयत बिगड़ गई। तीनों बच्चों को पहले एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें सिविल अस्पताल भेज दिया गया। तीनों की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।





रेवाड़ी। दुकान से सैंपल लेते हुए टीम,दुकान पर मौजूद पुलिसकर्मी। फोटो : हरिभूमि

दुकानदार पर बदसलूकी का आरोप

घटना के बाद सतीश मिलावटी घी की शिकायत लेकर दुकानदार के पास पहुंचा। सतीश ने आरोप लगाया कि दुकानदार ने उसके साथ बदसलूकी करना शुरू कर दिया। इसी बीच सूचना मिलने के बाद पुलिस और खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। टीम ने घी के सैंपल लेकर लैब भेजने की प्रक्रिया शुरू की। पुलिस के अनुसार सैंपल की रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार आगामी कार्रवाई की जाएगी।



मौसम सप्ताह के अंत में मौसम में बदलाव की संभावना, सरसों की बिजाई ने पकड़ ली रफ्तार

दिन का पारा चढ़ा, रात सर्द होने से सुबह के समय ठंड शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

चार दिन से लगातार आसमान साफ रहने के कारण दिन के तापमान में वृद्धि होना शुरू हो गया है, लेकिन रात का पारा गिरने से सुबह के समय ठंड ने दस्तक देना शुरू कर दिया है। माह के अंत तक रात का पारा और गिरेगा, जिससे लोगों को जल्द रजाई संभालनी होगी। इस सप्ताह के अंत में मौसम में बदलाव की संभावना जताई जा रही है।

सोमवार को सुबह से ही आसमान साफ बना रहा। शाम तक तेज धूप खिली रही। अधिकतम तापमान 1.9 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 33.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। न्यूनतम तापमान 2.4 डिग्री की गिरावट के साथ 16.0 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। इस सीजन में रात का यह सबसे कम तापमान है। इसके बावजूद रात का तापमान सामान्य से ज्यादा बना हुआ है। गत वर्ष 19 अक्टूबर को अधिकतम तापमान 33.5 डिग्री और न्यूनतम 13.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। दिवाली पर्व पहले आने के कारण सर्दी की शुरूआत हो गई थी। इस बार दिवाली भी नवंबर माह में आ रही है। सर्दी की शुरूआत में भी देरी हो रही है। मौसम विभाग का अनुमान है कि कमजोर विक्षोभ की सक्रियता से सप्ताह के अंत में मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। अक्टूबर के अंत तक रात का पारा और गिरेगा, जिससे ठंड का असर बढ़ना शुरू हो जाएगा।



रेवाड़ी। सरसों बिजाई के लिए तैयार किया गया खेत। फोटो : हरिभूमि

किसानों का फसल बिजाई पर जोर

गत सप्ताह हुई बारिश के बाद किसानों के लिए सरसों की बिजाई करना आसान हो गया है। किसानों ने तेजी से बिजाई शुरू कर दी है। अभी 20 फीसदी तक सरसों की बिजाई होने का अनुमान है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार मौसम सरसों की बिजाई के लिए अनुकूल बन चुका है। बिजाई के लिए समय भी उपयुक्त है। हालांकि दिन का तापमान गर्म होना सरसों के दानों को अंकुरित होते समय नुकसान पहुंचा सकता है।

हरिभूमि
रोहतक, मंगलवार
20 अक्टूबर 2026

सहेली

विशेष: विजय दशमी



विजय दशमी का पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का, अधर्म पर धर्म की जीत का, अनीति पर नीति की जीत का और अन्याय पर न्याय की जीत का उत्सव है। उत्सव मनाने के साथ ही यह पर्व हर तरह की दुष्प्रवृत्ति का प्रतिकार करने का संदेश भी देता है। महिलाओं के लिए इस पर्व में निहित संदेश बहुत मायने रखते हैं। केवल अपने घर-परिवार में ही नहीं आस-पड़ोस और समाज में भी किसी प्रकार के दुर्व्यवहार या अन्याय के प्रतिकार का सामर्थ्य हर महिला में अवश्य होना चाहिए।

जरूरी है बुराइयों के प्रतिकार का सामर्थ्य

आवरण कथा
डॉ. मोनिका शर्मा

हमारे परंपरागत पर्व हर मोर्चे पर जीवन साधने की सीख लिए होते हैं। नवरात्र के नौ दिनों में मन की शक्ति जुटाने के बाद आने वाला विजय दशमी का पर्व बुराई के प्रतिकार का हौसला रखने का संदेश देता है। यह त्योहार अहंकार और आक्रामकता पर विनम्रता और अच्छाई की जीत का उत्सव है। प्रभु श्रीराम की विजय के इस पावन पारंपरिक पर्व पर महिलाएं भी व्यावहारिक जीवन में बुराइयों से जूझने का पाठ पढ़ सकती हैं। असल में किसी भी तरह की बुराई से लड़ने के लिए मन की शक्ति को साधने के साथ ही समझ और सूझ-बूझ के साथ जीवन के मैदान में डटे रहना होता है। घर हो या बाहर, महिलाएं अपनी समझ, स्नेह और साथ-सहयोग के भाव संग हर तरह की नकारात्मक सोच, दुर्व्यवहार और दुष्प्रवृत्ति को मात दे सकती हैं।

स्पष्ट सोच और मजबूत मन

सबसे पहले तो हर स्त्री को खुद में, अपने ही जीवन से जुड़ी परेशानियों का प्रतिकार करने की सोच लानी होगी। उन समस्याओं के कारणों को समझना होगा। संबंधों से जुड़ी उलझनें हों या दूसरों के गलत व्यवहार से उपजी तकलीफें, हिम्मत के साथ दिलोदिमाग में स्पष्टता भी रखनी होगी। यूं भी जिंदगी के किसी भी मोर्चे पर मन-मस्तिष्क को मजबूत



बनाकर ही किसी बुराई से जूझा जा सकता है। सधी सोच हो, तो ही गलत बात का विरोध किया जा सकता है। नकारात्मकता से लड़ा जा सकता है। मुखर होकर अपनी बात कही जा सकती है। इसीलिए बात परिवार की हो या परिवेश की, सबसे पहले हालात को समझते हुए अपने दिलोदिमाग की उथल-पुथल को ठहराव दें। यह साफ समझें कि किसी तरह के बुरे बर्ताव, बोलचाल या बदसलूकी का विरोध करना है, तो करना है। इसमें अपना पराया न देखें। गलत को गलत कहने के लिए अपनी सोच स्थिर और स्पष्ट रखें। बुराई से लड़ने के मामले में एक बार कदम आगे बढ़ा लें तो पीछे ना हटें। यह तभी संभव है, जब अपनी सोच और मन मजबूत हो।

सहयोग लेने का रखें सहज भाव

प्रभु श्रीराम ने रावण से युद्ध जीतने के लिए वानरों का भी सहयोग लिया। अधर्म से दूरी बनाकर निःस्वार्थ भाव से दिए गए विभीषण के मार्गदर्शन को मान दिया। माता सीता को वापस लाने की जद्दोजहद में विनम्रता के साथ सबकी सलाह सुनी। दूसरों के विचारों को मान दिया। महिलाओं को भी बुराइयों के प्रतिकार हेतु ऐसी ही सहज समझ रखनी चाहिए। किसी की सहायता करने के लिए बड़ा दिल रखना ही नहीं, सहायता लेने की खुली सोच रखना भी बुराई से लड़ने के लिए जरूरी है। पर्सनल फ्रंट हो या सामाजिक-पारिवारिक मोर्चा, बुराई से अकेले नहीं लड़ा जा सकता।

साथ, सहयोग देने और जुटाने का गुण हर मुश्किल और अमानवीय बुराई से जूझने के लिए जरूरी है। इसके लिए अहंकार से बचें। यहां तक कि किसी महिला का साथ देने के लिए पुरुष का सहयोग लिया जा सकता है। आपसी समझ अच्छी हो तो पति, बेटे, भाई या पिता, स्त्री जीवन से जुड़ी समस्या से लड़ने में भी आपके मददगार बन सकते हैं। कई बार मुश्किल वक्त में भी ईगो साथ लेने ही नहीं, सहयोग देने में भी खूब आड़े आता है। जबकि स्वयं मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का जीवन समझाता है कि सभी को साथ लेकर चलने की सोच, घर से लेकर बाहर तक बड़े बदलाव लाने का माध्यम बनी है। बुराइयों से जूझने के दौर में संबल देने वाली साबित हुई है।



अच्छाई का साथ देने का सामर्थ्य

बुराई के प्रतिकार के साथ ही इसको जड़ें जमाने से रोकने के लिए भी अच्छाई का साथ देना जरूरी है। नेकी का परिवेश नकारात्मक को फलने-फूलने नहीं देता। असत्य पर सत्य की जीत का पर्व, दशहरा भी यही समझाता है कि चाहे जितनी भी मुश्किलें आएं, विजय सच की ही होती है। सच्चाई के साथ अच्छाई के लिए लड़ना आसान हो जाता है। बुराई से जीतने की जंग कठिन होने पर भी उस पर चलने की हिम्मत बनी रहती है। सही बात का समर्थन करने का साहस बना रहता है। इसीलिए फायदे-नुकसान या मुश्किल-आसान के फेर में न पड़कर सच के साथ खड़ी रहें। घरेलू मामलों में कई बार सही-गलत का चुनाव मुश्किल हो जाता है। किसी एक पक्ष का साथ देने का दबाव भी रहता है। स्वतंत्र निर्णय लेने से रिश्तों में और उलझनें बढ़ने की फिक्र भी सताती है। पर याद रहे कि सही रास्ता चुनना और सही के साथ खड़े होने का गुण ही आपके सजग अस्तित्व का प्रतीक है।

दूरदर्शी सोच अपनाएं

ससुराल में बेटी के हिस्से आ रही बेवजह की तकलीफें हों या असुरक्षा के घेरे में फंसी आस-पड़ोस की कोई महिला, बहुत-सी स्त्रियां इन बातों-हालातों को समझती हैं, लेकिन साथ देने में जरा देर कर देती हैं। 'सब ठीक हो जाएगा' की सोच से बुराई के घाव अकसर नासूर बन जाने के बाद संभाले जाते हैं। समय रहते चेत जाने का गुण हर तरह की अनीति और अपराध से लड़ने का मुख्य हथियार है। छेड़छाड़ के दुर्व्यवहार की अनदेखी का नतीजा कई बार बर्बर घटना के रूप में सामने आता है। अपने बच्चों का बचपना लगने वाली दिशाहीनता, विरोध न किया जाए तो वे अपराध तक कर बैठते हैं। समय रहते सख्ती न बरती जाए तो बच्चे बुरी लत में फंस जाते हैं। देवरानी-जेठानी हों या घर के बड़े-बुजुर्ग छोटा-मोटा मनमुटाव रिश्तों में एक कटुता पैदा कर देता है। इसीलिए महिलाओं को समझना होगा कि सभी बुराइयों की शुरुआत बहुत आम से लगने वाले व्यवहार से होती है। एक सामान्य या मन को उद्वेलित करने वाला विचार हर तरह की नकारात्मकता की जड़ बन जाता है। जरूरी है कि स्त्रियां छोटी-छोटी बातों को लेकर भी सचेत रहें। विवेकशील सोच के साथ समस्याओं से जूझने के कदम उठाएं। समय रहते चेत जाएं तो परिवार हो या समाज, हर अनैतिक और असभ्य व्यवहार को पहले ही कदम पर रोका जा सकता है। दूरदर्शिता का गुण दुष्प्रवृत्ति से लड़ने के लिए बहुत जरूरी है। बुराई के जड़ें जमाने से पहले ही उखाड़ फेंकने के लिए भी यह दूरदर्शिता आवश्यक है।

अपनी बुराइयों के अंत के लिए बच्चों को ऐसे करें प्रेरित

नादान बच्चे अनजाने में कुछ बुरी आदतें अपना लेते हैं। इन बुरी आदतों को अभिभावक डांटकर नहीं, प्यार से सुधारें। उन्हें अच्छी आदतों के लिए प्रोत्साहित करें। साथ ही बड़े बच्चों के सामने अपना आचरण भी ऐसा रखें कि वे अच्छी बातें अपनाने के लिए प्रेरित हों।

बच्चे और आप
पूर्ति खरे



हर साल दशहरे पर बच्चे अपने माता-पिता के साथ रावण दहन देखने जाते हैं। जब बच्चे रावण के पुतले को जलते हुए देखते हैं, तो उनके मन में कई सवाल उठते हैं- रावण क्यों जलाया जाता है? अगर बुराई पर अच्छाई की जीत का नाम विजय दशमी है, तो अच्छाई और बुराई कैसे पहचानें? हम अच्छे कैसे बनें? आप बच्चों के मन में उठते इन सवालों का जवाब जरूर दें, उन्हें बताएं कि विजय दशमी में बुराई पर अच्छाई की जीत केवल राम और रावण की कहानी नहीं है, यह कहानी हमारी रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ती है। यह हमारे लिए एक बड़ा सबक है। हम बच्चों को कैसे बुराइयों से दूर रखें, उन्हें अच्छा बनने के लिए प्रेरित करें, यहां विस्तार से जानिए

गलती स्वीकारना और सुधारना सिखाएं: बच्चा झूठ बोलता है, गुस्सा करता है या अपनी गलती स्वीकार नहीं करता, तो हम उसे जिद्दी, झूठा या बिगड़ैल कह देते हैं। लेकिन बच्चे को डांटने या बुरा कहने के बजाय उसके व्यवहार को सुधारने का प्रयास करना चाहिए। उसे समझाएं कि गलती किसी से भी हो सकती है, लेकिन उसे स्वीकार करना और सुधारना एक अच्छी बात है।



डांटकर नहीं, प्यार से समझाएं: मान लीजिए, बच्चे ने खेलते समय कोई सामान तोड़ दिया है। डर के कारण वह झूठ बोल देता है कि उसने नहीं तोड़ा। ऐसे में बच्चे को अपमानित करने के बजाय प्यार से पूछें, 'सच-सच बताओ, यह चीज टूटी कैसे। प्रॉमिस करो, आगे से ऐसी कोई हरकत नहीं करोगे, जिससे कोई नुकसान हो।' इससे बच्चा समझेगा कि सच बोलना, गलती छिपाने से बेहतर है।

तुलना नहीं, प्रोत्साहित करें: जब बच्चे के किसी दोस्त को अच्छे अंक मिलते हैं या भाई-बहन को कोई उपहार मिलता है, तो बच्चे के मन में ईर्ष्या के भाव आ सकते हैं। ऐसे में उसे डांटने के बजाय समझाएं कि किसी दूसरे की सफलता का मतलब हमारी हार नहीं है। किसी दूसरे बच्चे से तुलना करने के बजाय, उसको अच्छे प्रयास करने के लिए प्रेरित करें, उसके इस प्रयास के लिए प्रोत्साहित करें, ताकि वह अपनी क्षमताओं पर भरोसा करना सीखें।

बातें सुनें और जिम्मेदारियां समझाएं: बच्चों के साथ बैठकर उनकी बात सुनें और उन्हें अपनी जिम्मेदारियां समझाएं। साथ ही अपने व्यवहार से भी वही उदाहरण प्रस्तुत करें, जिसकी अपेक्षा आप बच्चों से करते हैं। बच्चों में सही गलत बात की सीख और समझ जरूर विकसित करें। वह कभी किसी के दबाव में आकर कोई गलत काम ना करें, न ही किसी गलत बात का समर्थन करें। बच्चों को गलत बातों का विरोध करना भी सिखाएं। वे हमेशा सच्चाई का साथ दें, झूठ से दूर रहें।

सकारात्मक परवरिश का सार : क्यों न, इस विजय दशमी परिवार के सभी सदस्य अपनी एक बुरी आदत खत्म करने का संकल्प लें। जैसे- बच्चा कहे कि वह गलती होने पर सच-सच बताएगा। माता-पिता संकल्प लें कि वे गुस्से में ऊंची आवाज में नहीं बोलेंगे। पैरेंट्स भी उन बुरी आदतों को छोड़ेंगे, जिनके लिए अपने बच्चों को रोकते-टोकते हैं। सप्ताह के अंत में परिवार के सभी सदस्य बैठकर आपस में चर्चा करें कि कौन, कितना अपना संकल्प अमल में लाया। कोई गलती होने पर गुस्साने के बजाय बच्चों को सुधारने के लिए प्रेरित करें। बच्चों को यह भी समझाएं कि दूसरों का मजाक उड़ाना या किसी कमजोर को परेशान करना सही नहीं है। यदि वे किसी को दुःख पहुंचाते हैं, तो उनसे माफी मांगे और अपनी गलती सुधारें। जिस दिन बच्चा अपनी गलती पहचानकर उसे सुधारने की कोशिश करना सीख जाता है, उसी दिन बुराइयों पर अच्छाई की जीत शुरू हो जाती है। ऐसी ही छोटी-छोटी जीतें मिलकर एक संवेदनशील और जिम्मेदार इंसान बनाती हैं। यही विजय दशमी की सच्ची सीख है, यही सकारात्मक परवरिश का सार भी है।

दशहरा बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक तो है ही। यह पर्व प्रतीकात्मक रूप में महिलाओं को अपनी आंतरिक शक्ति पहचानने के लिए भी प्रेरित करता है, नई पीढ़ी को संस्कारित भी करता है।

महिलाओं के लिए शक्ति आह्वान संस्कार पोसने का पर्व है दशहरा

पर्व-संदेश
वीरेंद्र बहादुर सिंह

दशहरा यानी विजय दशमी, बुराई पर अच्छाई की विजय का पर्व तो है ही, साथ ही महिलाओं के लिए दशहरा अपने भीतर छिपी शक्ति को पहचानने, आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और नई पीढ़ी को संस्कारित करने का अवसर भी है।

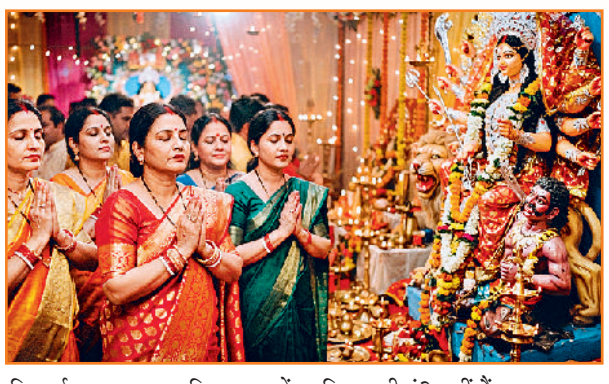

नारी शक्ति का प्रतीक देवी दुर्गा: विजय दशमी से जुड़ी देवी दुर्गा और महिषासुर की कथा, नारी शक्ति का सबसे प्रभावशाली प्रतीक मानी जाती है। इस कथा का संदेश आज भी प्रासंगिक है। महिला चाहे गृहिणी हो, नौकरीपेशा हो, व्यवसायी हो या किसी अन्य क्षेत्र में कार्यरत हो, उसके भीतर परिस्थितियों से संघर्ष करने और परिवार को संभालने की अद्भुत क्षमता होती है।



बच्चों को देती हैं संस्कार: बच्चों को रामायण की कथा सुनाना, सत्य-धर्म का महत्व समझाना तथा बड़ों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना भी हमारी माताओं और दादियों की परंपरा का हिस्सा रहा है। इस तरह महिलाएं त्योहार के माध्यम से संस्कारों को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचाती हैं। आज इस बात की बहुत जरूरत है कि बच्चों (खासतौर पर बेटियों) को केवल त्योहारों की पूजा-पद्धति न सिखाई जाए, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भरता, शिक्षा, आत्मरक्षा, निर्णय लेने की क्षमता और अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता का संस्कार भी दिया जाए। दशहरा हमें सिखाता है कि शक्ति का अर्थ केवल बाहरी सामर्थ्य नहीं, बल्कि सही और गलत के बीच अंतर समझना है।

करें आत्मचिंतन: दशहरे पर घर में पूजा, दीप प्रज्ज्वलन, शंखनाद और आरती के साथ वातावरण भक्तिमय हो जाता है। लेकिन त्योहार की सार्थकता तब और बढ़ती है, जब पूजा के साथ आत्मचिंतन भी किया जाए। आप स्वयं से पूछ सकती हैं कि क्या मैं अपने लिए भी समय निकालती हूं? कहीं मैं आत्मसम्मान से समझौता तो नहीं कर रही? इन सवालों के जवाब आपको आत्मसुधार के लिए प्रेरित करेंगे।

चुनौतियां से लड़ने की प्रेरणा: रावण के दस सिर को यदि प्रतीकात्मक रूप से देखें, तो वे अहंकार, क्रोध, लोभ, मोह, ईर्ष्या और अन्य नकारात्मक प्रवृत्तियों की याद दिलाते हैं। महिलाओं के जीवन में भी कई प्रकार की सामाजिक और मानसिक चुनौतियां आती हैं। भेदभाव, असुरक्षा, रूढ़ियां, आत्मविश्वास की कमी और दूसरों की अपेक्षाओं का दबाव जैसी नकारात्मकताओं पर विजय पाने की प्रेरणा भी यह पर्व देता है।

वास्तविक विजय का अर्थ: दशहरा इसलिए भी विशेष है, क्योंकि यह आपको अपनी आंतरिक शक्ति पहचानने का अवसर देता है। इस दिन अपने भीतर के डर, हीनभावना, क्रोध या आत्मविश्वास की कमी को भी दूर करने का संकल्प लें, तो विजय दशमी पर्व का संदेश और सार्थक हो सकता है।

फेस्टिव सीजन के लिए परफेक्ट है मिनरल मेकअप

मेकअप
प्रीति गुप्ता

जब बात फेस्टिव सीजन में सजने-संवरने की आती है, तो महिलाएं खूबसूरत दिखने के लिए खूब चाव से मेकअप करती हैं। जहां पहले के दौर में फेस्टिव मेकअप में हैवी फाउंडेशन, कंसीलर और कई लेयर वाले प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल ज्यादा किया जाता था, वहीं अब नेचुरल और लाइट मेकअप का ट्रेंड पसंद किया जा रहा है। इसी वजह से मिनरल मेकअप भी महिलाओं के बीच पॉपुलर हो रहा है। इसमें चेहरे को बहुत ज्यादा ढंकने के बजाय त्वचा की नेचुरल खूबसूरती को बनाए रखने पर जोर दिया जाता है।

त्वचा को करें तैयार: मिनरल मेकअप का अच्छा लुक पाने के लिए पहले पहले स्किन की तैयारी जरूरी है। चेहरे को साफ करने के बाद अपनी स्किन टाइप के अनुसार मॉयश्चराइजर लगाएं। दिन में फंक्शन है तो सनस्क्रीन लगाना न भूलें। अच्छी तरह मॉयश्चराइज की गई त्वचा पर मेकअप ज्यादा स्मूद दिखाई देता है।

मिनरल फाउंडेशन करें यूज: अगर आप मिनरल फाउंडेशन या मिनरल पावडर इस्तेमाल कर रही हैं, तो इसकी बहुत मोटी लेयर लगाने से बचें। जहां जरूरत हो, वहीं हल्की मात्रा में लगाएं। इसका उद्देश्य आपकी रंगत को थोड़ा समान दिखाना है। इससे चेहरा नेचुरल नजर आएगा।

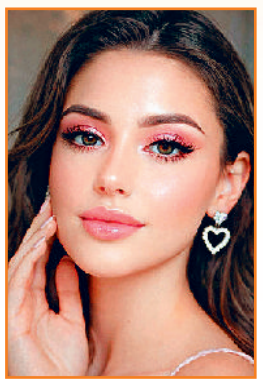

कंसीलर सिर्फ जरूरत वाली जगह लगाएं: त्योहारों के मेकअप में आंखों के नीचे हल्के डार्क सर्कल या छोटे दाग-धब्बों को कवर करने के लिए कंसीलर लगाया जा सकता है। लेकिन पूरे चेहरे पर इसकी मोटी परत लगाने की जरूरत नहीं है। कम प्रोडक्ट इस्तेमाल करने से मेकअप ज्यादा नेचुरल ही नहीं अधिक आकर्षक भी दिखाई देता है।

आंखों को दें सॉफ्ट टच: आंखों के लिए बहुत ज्यादा गहरा मेकअप करने के बजाय ब्राउन, गोल्डन या सॉफ्ट शिमरी शेड चुन सकती हैं। पतली आईलाइनर लाइन और हल्का सा मस्कारा आंखों को खूबसूरत बनाने के लिए काफी है। अगर शाम का फंक्शन है, तो आंखों के अंदरूनी कोने पर हल्का शिमर लगाया जा सकता है।

ब्लश से मिलेगी फ्रेशनेस: मिनरल मेकअप में ब्लश का इस्तेमाल चेहरे को फ्रेश और हेल्दी लुक देने के लिए किया जाता है। पीच, सॉफ्ट पिंक या रोजी शेड के ब्लश, त्योहारों के लिए अच्छे विकल्प हो सकते हैं। ब्लश को गालों पर हल्के हाथों से लगाएं ताकि ब्लश का शेड ज्यादा गहरा न दिखे।

होंठों पर सॉफ्ट कलर: मिनरल मेकअप के साथ होंठों पर न्यूड, रोज, पीच या सॉफ्ट ब्राउन शेड खूबसूरत लग सकते हैं।

हाईलाइटर: सबसे लास्ट में चीकबोंस, नाक के ऊपरी हिस्से और आंखों के अंदरूनी कोने पर थोड़ी मात्रा में हाईलाइटर लगाएं।

(ब्यूटी एक्सपर्ट सिमरन अरोड़ा से बातचीत पर आधारित)

त्योहारों में जरूरी है खुद की देखभाल

त्योहार अपनों के साथ खुशियां मनाने के लिए होते हैं, खुद को थकाकर बीमार करने के लिए नहीं। जब आप अपना ध्यान रखेंगी, देखभाल करेंगी, तभी त्योहारों का असली आनंद ले पाएंगी।

सेल्फ केयर
पारुल अग्रवाल मित्तल

पर्व-त्योहार खुशियां लेकर जरूर आते हैं, लेकिन इन दिनों घर की महिलाओं के काम बहुत ज्यादा बढ़ जाते हैं। घर की साफ-सफाई, खरीदारी, पकवान बनाना और मेहमानों की खातिरदारी का सारा बोझ उन पर ही होता है। इससे अकसर महिलाएं तनाव में आ जाती हैं, इसे मेडिकल भाषा में फेस्टिव बर्नआउट हैं। इसलिए त्योहारों पर कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

अपने आपको न भूलें: त्योहारों में महिलाओं की जिम्मेदारियां बहुत बढ़ जाती हैं। वे यह भूल जाती हैं कि त्योहार की खुशी में उनका अपना हिस्सा भी उतना ही जरूरी है, जितना बाकी सबका। इसलिए इस बार त्योहार की तैयारी में अपने आपको भूलें नहीं, त्योहार की खुशी का हिस्सा बनें।

अपने लिए सजे-संवरें: त्योहार पर सजना-संवरना सिर्फ दूसरों की खुशी के लिए नहीं, अपनी खुशी के लिए भी जरूरी है। आप अपनी पसंद की ड्रेस पहनें, बाल संवारें, मेकअप करें, अपनी पसंद की कोई एसेसरी पहनें। ये सब अपने आपको खुशी देते हैं। त्योहार पर आईने में खुद को देखकर मुस्कुराना आत्मविश्वास बढ़ाता है। इस आत्मविश्वास की एक अलग ही खुशी महसूस होती है।



मुस्कुराता हुआ हो आपका चेहरा: त्योहारों की रोशनी सिर्फ घर के दीयों से ही नहीं, घर के लोगों के मुस्कुराते चेहरों से भी आती है। इस रोशनी में सिर्फ आपका मुस्कुराता चेहरा ही नहीं, परिवार के बाकी सदस्यों का चेहरा भी मुस्कुराता हुआ होना जरूरी है। इसलिए इस त्योहार घर की सफाई करते हुए अपने मन की थकान भी हमेशा साफ रखें। त्योहारों की छोटी-सी सेल्फ-केयर है, काम का बेहतर बंटवारा। इससे आपको खुशी मिलेगी और घर में खुशनुमा माहौल भी बनेगा।

स्वाद के साथ सेहत का भी रखें ख्याल: त्योहारों पर अधिक मिठाइयां और तला-भुना खाना शरीर पर भारी पड़ सकता है। इसके लिए डाइट को बैलेंस करें। एक टाइम हैवी डाइट ली है, तो दूसरे टाइम कुछ लाइट खाएं। बार-बार चाय, कॉफी और कोल्ड ड्रिंक्स से बचें। पानी पर्याप्त मात्रा में पीती रहें। भोजन में फल, सलाद और हल्का खाना शामिल करें। त्योहार की खुशी अगले दिन भारीपन, एसिडिटी या थकान में न बदल जाए, इसका ध्यान रखना अपनी देखभाल का हिस्सा है।

पर्याप्त नींद लें: त्योहारों की तैयारियों में अकसर रात देर तक जागना और सुबह जल्दी उठना सामान्य सी दिनचर्या हो जाती है। कुछ जिम्मेदारियां परिवार के दूसरे सदस्यों को भी दें और अपनी नींद को प्राथमिकता दें। इससे आप अपना फ्रेश फील करेंगी।

काम के बीच लेती रहें ब्रेक

जब आप लगातार काम करती हैं, तो शरीर और दिमाग दोनों थक जाते हैं। ऐसे में त्योहारों से पहले अपने सभी कामों की सूची बना लें। कोशिश करें कि आप कामों के बीच छोटे-छोटे ब्रेक लें। इस दौरान चाय-कॉफी के साथ कुछ देर शांत बैठना, थोड़ी देर टहलना, संगीत सुनना या फिर बस आंखें बंद करके आराम करना भी पर्याप्त है, इससे आपके शरीर को ऊर्जा मिलेगी और चेहरे पर ताजगी बनी रहेगी।



खबर संक्षेप

आईजीयू में महिला शिक्षा एवं सुरक्षा पर एक्सटेंशन लेक्चर आयोजित

मीरपुर। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के यूथ रेडक्रॉस के तत्वावधान में महिला शिक्षा एवं सुरक्षा विषय पर एक्सटेंशन लेक्चर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को महिला शिक्षा, सुरक्षा, कानूनी अधिकारों एवं महिला सशक्तिकरण के प्रति जागरूक करना तथा समाज में लैंगिक समानता की भावना को प्रोत्साहित करना था। मुख्य वक्ता प्रोफेसर रोमिका बत्रा सुखीजा ने महिला शिक्षा के महत्व, महिला सशक्तिकरण, कानूनी अधिकारों, घरेलू हिंसा से संरक्षण तथा कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार व्यक्त किए। विद्यार्थियों को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने, आत्मनिर्भर बनने और किसी भी प्रकार के उत्पीड़न के विरुद्ध निर्भीक होकर आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने रेखांकित किया कि शिक्षा और जागरूकता ही महिलाओं को सशक्त बनाने तथा एक सुरक्षित, समावेशी एवं समानतापूर्ण समाज के निर्माण की मुख्य आधारशिला हैं।

जखाला से से व्यक्ति लापता, केस दर्ज

कोसली। जखाला गांव में एक व्यक्ति बिना किसी को कुछ बताए घर से लापता हो गया। व्यक्ति की पत्नी सुशीला देवी ने कोसली पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका पति राजेन्द्र उर्फ पप्पू 17 अक्टूबर सुबह घर से साईकिल लेकर गया था। उसके बाद अभी तक वापस घर नहीं आया है। शिकायतकर्ता के अनुसार उसके पति का फोन भी स्विच ऑफ आ रहा है। उन्होंने गांव के आसपास व सभी रिश्तेदारियों में पूछताछ की, लेकिन अभी तक उनका कोई पता नहीं चल पाया। पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर लिया है।

मंगलवार को शाम 4 बजे से वाहनों की इन स्थानों पर रहेगी नो-एंट्री

दशहरा पर्व को लेकर पुलिस अलर्ट, सुरक्षा के लिए सिविल ड्रेस में तैनात रहेंगे जवान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

जिले में 20 अक्टूबर विजयादशमी का पर्व धूमधाम और श्रद्धाभाव से मनाया जाएगा। पर्व पर आमजन की सुरक्षा, सुगम यातायात और शांति-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला पुलिस ने पूरी तैयारी कर ली है। पुलिस ने पर्व पर विशेष सुरक्षा एवं यातायात एक्शन प्लान तैयार किया गया है। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने जिलावासियों और सभी दशहरा उत्सव समितियों से अपील करते हुए कहा कि वे सुरक्षा नियमों का पालन करें तथा पर्व को आपसी भाईचारे, शांति और सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाएं।

समितियों के लिए अनिवार्य सुरक्षा गाइडलाइंस



आयोजन समिति रावण दहन स्थल के चारों तरफ समय रहते मजबूत बैरीगेटिंग लगाए तथा लोगों के आने व जाने के लिए अलग-अलग सुरक्षित मार्ग तय करें। आयोजन स्थल पर पर्याप्त मात्रा में पानी, अग्निशमन यंत्र, फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस की व्यवस्था की जाए। रावण दहन स्थल के पास वाहनों की पार्किंग प्रतिबंधित रहेगी। आयोजक वाहनों के लिए उचित दूरी पर पार्किंग स्थल बनाएं। शोभायात्रा, दहन स्थल और पार्किंग स्थलों पर पुलिस की सहायता के लिए पहचान-पत्र धारक वॉलंटियर्स तैनात किए जाएं। शोभायात्रा के दौरान यातायात बाधित न हो तथा प्रशासन की ओर से दी गई अनुमति की सभी शर्तों का पालन किया जाए।

पुलिस की ओर से जारी यातायात एडवाइजरी

दशहरा पर्व पर भीड़भाड़ के दौरान आमजन को असुविधा से बचाने के लिए पुलिस की ओर से रूट डायवर्जन लागू किया गया है। शहर में रावण दहन कार्यक्रम के दौरान शाम 4 बजे से कार्यक्रम समाप्ति तक रणबीर सिंह हुड्डा चौक से राजीव गांधी चौक तक व रणबीर सिंह हुड्डा चौक से कंटेनर डिपो की ओर सभी वाहनों का आवागमन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। इस दौरान सभी वाहन चालक असुविधा से बचने के लिए अन्य वैकल्पिक रास्तों का प्रयोग करें। आयोजन स्थलों पर असामाजिक तत्वों, हुड़दंगियों, जेबकतरों और महिलाओं की सुरक्षा के लिए सादे कपड़ों में महिला व पुरुष पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। शोभा यात्राओं और भीड़भाड़ वाले इलाकों में पुलिस की पीसीआर और राइडर्स लगातार गश्त करेंगे। आमजन आसपास कोई संदिग्ध वस्तु, लावारिस वाहन या संदिग्ध व्यक्ति दिखाई देने पर डायल 112 या नजदीकी पुलिस थाने को सूचित कर सकते है।

अहीर कॉलेज के कैडेट्स ने एनसीसी क्विज में पाया तीसरा स्थान



रेवाड़ी। एनसीसी कैडेट्स को सम्मानित करती प्राचार्या। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

अहीर कॉलेज के एनसीसी छात्र एवं छात्रा कैडेट्स ने इनोवेशन प्रतियोगिता-सिधरावली में भाग लिया। इस मौके पर आयोजित क्विज प्रतियोगिता में कॉलेज की एनसीसी कैडेट प्राची, लक्षिता व धीरज ने तृतीय स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया। कॉलेज की प्राचार्या डा. उर्मिला शर्मा ने कैडेट्स को बधाई देते हुए सम्मानित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में भी ऐसी शैक्षणिक एवं रचनात्मक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। एनसीसी अधिकारी एएनओ लेफ्टिनेंट डा. अल्पना यादव व एएनओ संजीव ने कैडेट्स को इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के ज्ञान, तार्किक क्षमता, आत्मविश्वास एवं नवाचार की भावना को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

ऑनलाइन खरीद के चक्कर में साइबर ठगी

ड्राई फ्रूट्स मगवाते समय लगाया चूना

हरिभूमि न्यूज. रेवाड़ी

ऑनलाइन सामान खरीदते समय भी लोग साइबर ठगों के जाल में फंस रहे हैं। साइबर ठगों ने एक को ड्राई फ्रूट्स मंगवाते समय ठगी का शिकार बनाया, तो दूसरे को दवाओं की डिलीवरी के लिए पूछताछ करते समय चूना लगा दिया गया। साइबर थाना पुलिस ने दोनों की शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

सेक्टर-1 निवासी हेमेंद्र कुमार ने पुलिस शिकायत में बताया कि उसने फेसबुक पर ड्राई फ्रूट्स का एक विज्ञापन देखा था। उसने सोशल साइट पर दिए गए व्हाट्सएप नंबर पर संपर्क किया, तो फोन पर

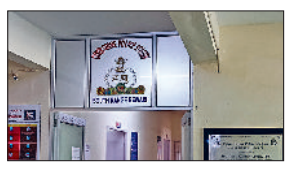

संपर्क करने वाले ने उसे ड्राई फ्रूट्स की लिस्ट भेज दी। इसके बाद उसने 550 रुपये का भुगतान बताए गए नंबरों पर कर दिया। बाद में उसके पास व्हाट्सएप कॉल आई। कॉल करने वाले ने बताया कि उसका ऑर्डर कैश ऑन डिलीवरी कर दिया गया है। उसकी भेजी हुई राशि को वापस कर दिया गया है। उसने उसे पेटीएम खोलने के लिए कहा। व्हाट्सएप पर एक लिंक भेजकर उसे कॉपी करके पेटीएम से खोलने के लिए कहा। उसके कहने पर उसने दो ट्रांजेक्शन के माध्यम से 45002 और 51550 का भुगतान कर दिया। कुछ देर बाद उसने फोन-पे का एक फर्जी पेमेंट सक्सेसफुल होने का स्क्रीनशॉट भेजा। उसने कहा कि उसने सारी राशि वापस कर दी है। जब उसने अपने बैंक खाते की जांच की, तो उसमें कोई भी राशि वापस जमा नहीं हुई थी। उसे ड्राई फ्रूट्स का ऑर्डर भी प्राप्त नहीं हुआ। इसके बाद उसे ठगी का अहसास हुआ। पुलिस ने उसकी शिकायत पर ठगी का केस दर्ज कर लिया।

कोरियर ट्रेकिंग के समय फोन हैक किया

युगल विहार निवासी प्रताप सिंह ने पुलिस शिकायत में बताया कि उसने 15 अक्टूबर को कोरियर के माध्यम से दवा मंगवाई थी। कोरियर की स्थिति का पता करने के लिए उसने अपने मोबाइल फोन पर ट्रक करने का नंबर सर्च किया। नंबर सर्च करते ही उसके पास एक फोन आया। फोन करने वाले ने उसे बताया कि कोरियर डिलीवरी के लिए वेबसाइट पर पता अपडेट करना है, इसलिए वह अपना व्हाट्सएप नंबर बताए। उसने अपना नंबर लिखकर भेज दिया। फोन करने वाले दोबारा उससे फोन करके एप डाउनलोड कराई। इसके बाद उसका मोबाइल फोन हैक हो गया। बाद में उसका फोन सही हुआ तो तीन बैंक खातों से 1.85 लाख रुपये गायब मिले। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

एआई का अत्यधिक प्रयोग मनुष्य सोचने की स्वाभाविक क्षमता को क्षीण करता : भारद्वाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मीरपुर

- एक सफल एवं निष्पक्ष पत्रकार बनने के लिए निरंतर सीखने और लिखने की आदत अनिवार्य शर्त

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की ओर से न्यूज रूम चुनौतियां तथा पत्रकार की भूमिका विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ऑनलाइन न्यूज प्लेटफॉर्म फर्स्ट पोस्ट के सब एडिटर क्षितिज भारद्वाज ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की और विद्यार्थियों को पत्रकारिता क्षेत्र की व्यावहारिक बारीकियों एवं चुनौतियों से अवगत कराया। भारद्वाज ने आधुनिक पत्रकारिता में तकनीक और एआई के बढ़ते प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अत्यधिक प्रयोग न केवल मौलिकता को नष्ट करता है, बल्कि मनुष्य की सोचने-समझने की स्वाभाविक क्षमता को भी क्षीण कर देता है। उन्होंने कहा कि एक सफल एवं निष्पक्ष पत्रकार बनने के लिए निरंतर सीखने और लिखने की आदत अनिवार्य शर्त है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता का क्षेत्र चुनौतियों से भरा है, लेकिन सामाजिक हित से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देना ही एक सच्चे पत्रकार का दायित्व है। पत्रकार हर समय कर्तव्य पथ पर तैनात रहता है, इसलिए उसे व्यक्तिगत सीमाओं से परे उठकर समाजहित में कार्य करने के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को पत्रकारिता संबंधी उत्कृष्ट पुस्तकों का अध्ययन करने तथा अपनी भाषा एवं लेखन शैली में सुधार लाने की सलाह दी। विभाग के अध्यक्ष प्रो. निखिलेश यादव ने मुख्य वक्ता का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं उन्हें उद्योग की वास्तविक आवश्यकताओं से जोड़ने के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। इस अवसर पर अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डा. रोमिका बत्रा सुखीजा, डा. बिजेंद्र सिंह, डा. मुकुट अग्रवाल, डा. विनीत यादव, डा. विनय यादव, भाविका व शुभम सहित विभाग के शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

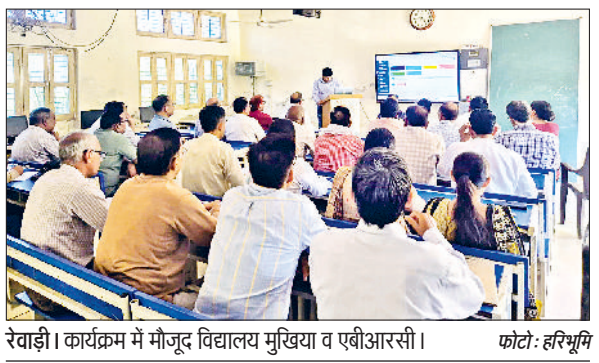

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद विद्यालय मुखिया व एबीआरसी। फोटो : हरिभूमि

एसएनए स्पर्श के माध्यम से होगा समग्र शिक्षा के बिलों का भुगतान

हरिभूमि न्यूज. जाटूसाना

- बिलों की जांच कर पोर्टल पर तैयार किया जाएगा तथा भुगतान के लिए पंचकूला स्थित मुख्यालय को भेजा जाएगा

पीएम श्री विद्यालयों की तर्ज पर अब समग्र शिक्षा के अंतर्गत होने वाले कार्यों के बिलों का भुगतान भी एसएनए स्पर्श प्रणाली के माध्यम से किया जाएगा। इस नई भुगतान प्रक्रिया के संबंध में सोमवार को खंड जाटूसाना के सभी 109 राजकीय विद्यालयों के मुखियाओं व एबीआरसी को प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में सतपाल लेखाकार डीपीसी कार्यालय तथा विवेक अकाउंट असिस्टेंट बीआरसी जाटूसाना ने विद्यालय मुखियाओं को एसएनए स्पर्श पोर्टल के माध्यम से बिल तैयार करने, जमा कराने एवं भुगतान की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अब विद्यालयों को भुगतान संबंधी प्रक्रिया के लिए पहले की तुलना में अधिक व्यवस्थित व्यवस्था उपलब्ध होगी। समग्र शिक्षा की विभिन्न ग्रांट की राशि बीआरसी स्तर पर प्राप्त होगी। विद्यालयों की ओर से स्वीकृत कार्यों को नियमानुसार पूरा करने के उपरांत संबंधित बिल बीआरसी कार्यालय में जमा कराए जाएंगे। इसके बाद बीआरसी कार्यालय में नियुक्त लेखा सहायक की ओर से बिलों की जांच कर पोर्टल पर तैयार किया जाएगा तथा भुगतान के लिए पंचकूला स्थित मुख्यालय को भेजा जाएगा। मुख्यालय स्तर से संबंधित फर्म के बैंक खाते में सीधे भुगतान किया जाएगा। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी जाटूसाना जोगेंद्र सिंह धनखड़ ने सभी विद्यालय मुखियाओं को निर्देश दिए कि वे प्राप्त ग्रांट का उपयोग निर्धारित नियमों एवं दिशा-निर्देशों के अनुसार ही करें।

गूगल प्ले स्टोर या थर्ड-पार्टी वेबसाइट्स पर मौजूद अनाधिकृत लोन एप्स को इंस्टॉल न करें: एसएचओ

पुलिस ने साइबर सुरक्षा माह के तहत विद्यार्थियों और शिक्षकों को किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

डिजिटल युग में तेजी से बढ़ते साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा आमजन व युवाओं को साइबर सुरक्षा के प्रति सजग व सतर्क करने के उद्देश्य से पुलिस की ओर से साइबर सुरक्षा माह मनाया जा रहा है। अभियान के तहत जिले भर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों, सार्वजनिक स्थलों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। सोमवार को प्रबंधक थाना खोल इंस्पेक्टर गजराज सिंह व एसएचओ बावल इंस्पेक्टर रणबीर सिंह की अगुवाई में पुलिस टीम ने न्यू एरा सीनियर सेकेंडरी स्कूल कुंड तथा राष्ट्रीय स्कूल गांव खंडोडा में



रेवाड़ी। कार्यक्रम में जानकारी देते हुए एसएचओ। फोटो : हरिभूमि

साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस मौके पर थाना प्रभारियों ने वर्तमान समय में तेजी से पैर पसार रहे 'इंस्टेंट लोन ऐप फ्रॉड' की कार्यप्रणाली पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधी सोशल मीडिया ऐप्स और आकर्षक विज्ञापनों के जरिए बिना किसी कागजी कार्रवाई के तुरंत लोन देने का लालच देकर भोले-भाले लोगों को अपने जाल में फंसाते हैं। उन्होंने कहा कि फर्जी लोन ऐप्स डाउनलोड होते ही ठग फोन के कॉन्टैक्ट्स, फोटो गैलरी और लोकेशन जैसी संवेदनशील जानकारी हासिल कर लेते हैं। ऐसी अनुमतियां कभी न दें।

विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के मूल मंत्र दिए

एसएचओ ने कहा कि अपने बैंक खाते से जुड़ा ओटीपी, यूपीआई पिन, सीवीवी या नेट बैंकिंग पासवर्ड कभी भी किसी अज्ञात व्यक्ति से साझा न करें। व्हाट्सएप या टेलीग्राम पर घर बैठे पार्ट-टाइम जॉब, लॉटरी या टॉस्क पूरा कर पैसे कमाने वाले संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें। यदि कोई व्यक्ति खुद को पुलिस, सीबीआई, ईडी या कोरियर कंपनी का अधिकारी बताकर डिजिटल अरेस्ट की धमकी दे या पैसे की मांग करे, तो समझ जाएं कि यह साइबर ठगी का प्रयास है। यदि कोई व्यक्ति साइबर वित्तीय धोखाधड़ी का शिकार हो जाता है, तो तुरंत राष्ट्रीय साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें और साइबरक्राइम.जीओवी.इन पोर्टल पर अपनी शिकायत दर्ज कराएं।





रेवाड़ी। राजकीय प्राथमिक पाठशाला पुंसिका एवं राजकीय माध्यमिक विद्यालय खालेटा।

मुख्यमंत्री सौंदर्यीकरण प्रतियोगिता

पुंसिका व खालेटा के राजकीय स्कूल बने खंड खोल के सर्वश्रेष्ठ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

- अब ये स्कूल जिला स्तरीय प्रतियोगिता में खंड खोल का प्रतिनिधित्व करेंगे।

खंड खोल के विद्यालयों के मुख्यमंत्री सौंदर्यीकरण प्रतियोगिता के परिणाम में प्राथमिक स्तर में पुंसिका तथा माध्यमिक स्तर में खालेटा के सरकारी स्कूल को विजेता घोषित किया गया है।

अब ये स्कूल जिला स्तरीय प्रतियोगिता में खंड खोल का प्रतिनिधित्व करेंगे। खोल के कार्यवाहक बीईओ सत्यवीर नाहड़िया ने बताया कि एसडीएम दलबीर सिंह की अध्यक्षता में गठित समिति ने दोनों वर्गों के आवेदक स्कूलों का निर्धारित विभागीय मापदंडों के अनुसार निरीक्षण कर संबंधित परिणाम की घोषणा की। प्राथमिक वर्ग में कुंडल व लुहाना तथा माध्यमिक वर्ग में चीताडूंगरा व राजपुरा के सरकारी स्कूलों का प्रदर्शन भी बेहद सराहनीय रहा। समिति सदस्यों में बीईओ खोल के अलावा प्राचार्य नरेश कुमार, संदीप कुमार जोगिंद्र सिंह तथा संजय कुमार शामिल थे। उन्होंने बताया कि दोनों विजेता स्कूलों को विभाग की ओर से निर्धारित पचास-पचास हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा रही है। उन्होंने सभी प्रतिभागी स्कूलों को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए बधाई दी तथा विजेता स्कूलों को जिला स्तर पर खंड का नाम रोशन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

जागरण में हुआ माता रानी का गुणगान

रेवाड़ी। नवरात्रि के उपलक्ष्य में गढ़ी बोलनी रोड स्थित एलीगेंट हाइट सोसायटी में माता रानी का जागरण किया गया। देर रात तक चले जागरण में गायक कलाकारों ने भक्तिमय संगीत पर श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर किया। गायक कलाकार अविनाश भारद्वाज, गोपाल वर्मा, अजय चौधरी व अलवर से आए कलाकार विजय पंजवानी ने माता रानी की महिमा का गुणगान किया। सोसायटी निवासियों ने माता रानी के जयकारों के साथ भक्ति भजनों पर जमकर नृत्य किया। माता रानी की चौकी की ज्योत आरडब्ल्यूए के प्रधान गजेंद्र यादव व रजनी यादव ने प्रज्वलित की। गायक विजय पंजवानी के भजनों पर महिलाओं पे डांडिया भी किया। समिति के सदस्यों ने बताया कि 9 दिवसीय कार्यक्रम के तहत माता रानी का दरबार क्लब हाउस में सजाया गया, जिसमें सुबह-शाम माता की आरती तथा भजनों के साथ कीर्तन किया गया। 20 अक्टूबर को दशहरे के पर्व पर हवन के बाद भंडारे का आयोजन किया जाएगा।



रेवाड़ी। जागरण में भजन गाते हुए गायक। फोटो : हरिभूमि

समाधान शिविर में पहुंची सड़क, सीवरेज बिजली व अवैध कब्जे की शिकायत

हरिभूमि न्यूज. रेवाड़ी

डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि समाधान शिविर में शिकायतकर्ताओं के आवेदनों को लंबित न रखते हुए उनका स्थाई समाधान सुनिश्चित किया जाए। सोमवार को लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित समाधान शिविर में डीसी ने आमजन की समस्याएं सुनकर संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए। डीसी ने कहा कि समाधान शिविर जनसेवा का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि सभी विभाग समयबद्ध तरीके से शिकायतों का निस्तारण करें और रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।



रेवाड़ी। समाधान शिविर में लोगों की शिकायतें सुनते डीसी मीणा।

समस्याओं के जल्द समाधान के निर्देश दिए

समाधान शिविर में शहर के नई आबादी मोहल्ले की गली नंबर एक की सड़क टूटने व सीवरेज की सफाई न होने की शिकायत पर समाधान के निर्देश दिए गए। वही गांव गोठड़ा टप्पा डहीना में नाली का निर्माण कराने, गांव अहरोद में रास्ते के बीच में बिजली के खंभे शिफ्ट करने व गांव बिहारीपुर में प्लॉट पर अवैध कब्जे की शिकायत रखी गई। समाधान शिविर में फैमिली आईडी, पेंशन, अवैध कब्जे, बिजली व पुलिस सहित अन्य विभागों से संबंधित विभिन्न शिकायतें आई, जिनमें से कई शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया गया। लंबित शिकायतों पर जल्द कार्रवाई कर समाधान के आदेश दिए गए। इस अवसर पर एसपी हेमेंद्र मीणा, एडीसी राहुल मोदी, एसडीएम दलबीर सिंह, सीटीएम जितेंद्र कुमार व डीएसपी संजीव बल्हारा आदि उपस्थित रहे।

अभियान शराब पीकर गाड़ी चलाना सड़क दुर्घटनाओं की बड़ी वजह बनता है

पुलिस ने अभियान चलाकर ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले 1687 वाहन चालकों के काटे चालान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

जिला पुलिस की ओर से गत 12 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक जिले में ट्रिंक एंड ड्राइव, वाहन में तेज डीजे-प्रेशर हॉर्न बजाने, लेन चेंज नियमों की अवहेलना करने व बुलेट बाइक में पटाखा छोड़ने वाले वाहन चालकों के खिलाफ स्पेशल अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले 1687 चालकों के चालान काटे गए। सप्ताह के दौरान ट्रिंक एंड ड्राइव अभियान के तहत शराब पीकर वाहन चलाने वाले 6 वाहन चालकों के चालान किए गए। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि अक्सर देखने में आता है कि रात्रि के समय काफी वाहन चालक नशे में धुत होकर वाहन चलाते हैं, जिससे वह अपने आप को तो खतरे में डालते ही हैं साथ में सड़क पर चल रहे अन्य वाहन चालक के लिए भी खतरा बन जाते है। शराब पीकर गाड़ी चलाना सड़क दुर्घटनाओं की बड़ी वजह बनता है और यह मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 185 के तहत दंडनीय अपराध है। पुलिस ने गाड़ी में तेज डीजे-प्रेशर हॉर्न बजाकर ध्वनि प्रदूषण करने वाले व बुलेट बाइक में पटाखा छोड़ने पर 19 वाहन चालकों पर शिकंजा कसा। इनके अलावा लेन चेंज से संबंधित नियम की अवहेलना पर 1662 वाहन चालकों के चालान किए गए।



रेवाड़ी। चालक में शराब की मात्रा चैक करती पुलिस टीम। फोटो : हरिभूमि

सुरक्षा के साथ कोई समझौता नही : एसपी

एसपी मीणा ने कहा कि शहर में कानून-व्यवस्था और सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। जो भी व्यक्ति नियमों का उल्लंघन करेगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि गाड़ियों में ब्लैक फिल्म का प्रयोग न करें। नशे की हालत में वाहन चलाकर अपनी और दूसरों की जान जोखिम में न डालें। बुलेट मोटरसाइकिल में पटाखा छोड़ने व ध्वनि प्रदूषण करने से बचें।

सर्कुलर रोड, दिल्ली रोड व कोनसीवास रोड सहित कई मार्गों पर सजे रावण के छोटे पुतले

बेरली में 150 फीट के रावण का होगा दहन

शहर में रामलीला समितियों ने रोहतक से मंगवाए 60-60 फीट के पुतले







रेवाड़ी। बेरली में हाइड्रा मशीन से खड़ा करते हुए रावण का पुतला तथा सरकुलर रोड पर बिकने के लिए रखे रावण के पुतले। फोटो : हरिभूमि

सचिवालय के पीछे स्थित हुडा मैदान में रावण दहन किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिले में दशहरे पर्व मनाने की तैयारी पुरी हो चुकी है। जिले में छोटेलाल रामलीला क्लब की ओर से सबसे ऊंचे 150 फीट के रावण का दहन बेरली में किया जाएगा। इसके अलावा शहर की दो रामलीला समितियों की ओर से रोहतक से 60-60 फीट के रावण के पुतले मंगवाए गए है। रामलीला समितियों की ओर से सचिवालय के पीछे स्थित हुडा मैदान में राण दहन किया जाएगा, जिसकी पहले ही परमिशन ली जा चुकी है। 20 अक्टूबर को विजयदशमी पर्व पर दहन के लिए शहर की सड़कों पर कारीगर रावण के पुतले तैयार करने में लगे हुए है। कारीगरों ने 5 फीट से लेकर 35 फीट तक के रावण के पुतले बनाए हुए है। शहर में रावण, मेघनाद और कुंभकरण के पुतलों का दहन किया जाएगा। कारीगर सुरेश, मनीराम व अजय बताया कि रावण काफी मशक्कत और कारीगरी के बाद तैयार होते हैं। बढ़ती महंगाई के कारण अब रावण के पुतलों के आर्डर काफी कम हो गए है। छोटे से छोटे रावण बनाने की लागत करीब 3 हजार रुपये आती है। ग्राहक के मोलभाव करने पर कीमत और कम हो जाती है। सर्कुलर रोड, दिल्ली रोड व कोनसीवास रोड सहित कई मार्गों पर रावण के छोटे पुतले सजे।

पुतला बनाने में करीब पोने दो लाख का खर्चा आया

जिले के गांव बेरली कलां में छोटेलाल रामलीला क्लब की ओर से प्रति वर्ष सबसे ऊंचा रावण का पुतला तैयार किया जाता है। पिछले वर्ष बेरली में 125 फीट के रावण के पुतले का दहन किया गया था। इस बार पुतले की हाइट 150 फीट की गई है। रामलीला क्लब के युवाओं की टीम ने रावण का पुतला तैयार किया है। कारीगर मुकेश कुमार बेरली कलां ने बताया कि पुतला बनाने में करीब पोने दो लाख रुपये का खर्चा आया है। सोमवार को रावण के पुतले को हाइड्रा मशीन की सहायता से खड़ा किया गया। मंगलवार को शोभायात्रा निकालकर रावण दहन किया जाएगाए। रावण बनाने में संजीव, गोली, गौरव, केशव, राहुल, जतिन, मनजीत व विकास ने योगदान दिया।

रामलीला समितियों के रोहतक से पहुंचेगे रावण

शहर में प्रति वर्ष दो रामलीला समितियों की ओर से रावण के पुतले लगाए जाते है। दोनों ही रामलीला समिति की ओर से रावण के पुतले रोहतक से ऑर्डर पर मंगवाए जाते है। श्री घंटेश्वर महादेव आदर्श रामलीला समिति के सचिव याद के सुगंध ने बताया कि रावण का पुतला दहन के लिए जिला प्रशासन से परमिशन मिल गई है। दशहरे पर करीब 60 फीट के रावण का पुतला दहन किया जाएगा। लाला मक्खन लाल धर्मशाला की युनाइटेड आदर्श रामलीला समिति के प्रधान नरसी गुर्जर ने बताया कि दशहरे पर दहन के लिए करीब 60 फीट के रावण का पुतला रोहतक से मंगवाया गया है। मंगलवार सुबह पुतला पहुंचने पर हुडा मैदान में लगाया जाएगा। दोपहर बाद लाला मक्खन धर्मशाला से श्रीराम की शोभा यात्रा शुरू होगी तथा शाम करीब 6 बजे रावण का दहन किया जाएगा।

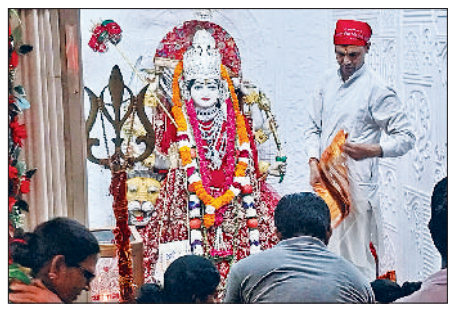



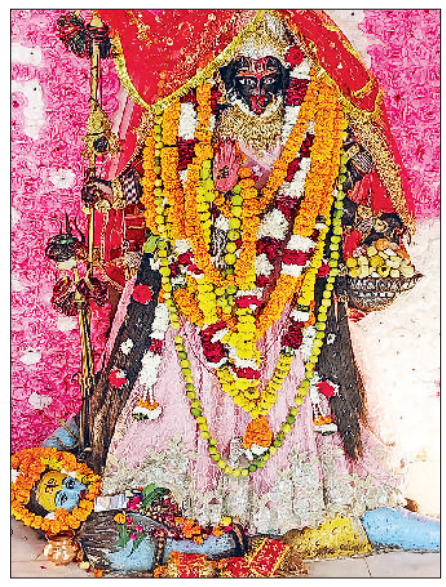

रेवाड़ी। बारा हजारी दुर्गा मंदिर में माता की पूजा करते श्रद्धालु व श्रद्धालुओं की भीड़ तथा धारूहेड़ा चुंगी स्थित मंदिर में सजी कालीमाता की प्रतिमा। फोटो : हरिभूमि

दुर्गा नवमी पर मां सिद्धिदात्री की हुई पूजा

■ व्रतियों ने कंजिकाओं को भोजन कराकर मांगी कामना, सामर्थ्य अनुसार भेंट किए उपहार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

शारदीय नवरात्रों के अंतिम दिन दुर्गा नवमी पर श्रद्धालुओं ने सोमवार को मां दुर्गा की नवीं शक्ति सिद्धिदात्री की पूरे विधि-विधान से पूजा अर्चना की। प्रातः से ही श्रद्धालुओं की मंदिरों में भीड़ उमड़नी शुरू हो गई थी। काफी श्रद्धालु मंगलवार को भी नवमी पर पूजा करेंगे। धार्मिक ग्रंथों में उल्लेख है कि मां सभी प्रकार की सिद्धियों की जननी है। यदि श्रद्धालु साफ मन से मां की उपासना करें तो उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं। शहर के बारा हजारी स्थित प्राचीन दुर्गा माता मंदिर, धारूहेड़ा चुंगी स्थित काली माता मंदिर, बड़ा तालाब स्थित मंसा माता मंदिर, नई बस्ती स्थित मंसा देवी मंदिर, सेक्टर-3 स्थित माता मंदिर, बारा पत्थर स्थित कालीमाता मंदिर, आर्य समाज रोड स्थित दुर्गामाता मंदिर सहित सभी मंदिरों में पूजा की गई।

श्रृद्धालुओं ने मांगी सुख-समृद्धि की कामना

मां दुर्गा के नवरात्रों के अंतिम दिन सोमवार को श्रृद्धालुओं ने नवरात्र के व्रतों का समापन करते हुए कंजिकाओं को भोजन कराया और उनकी भी पूजा अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। कंजिकाओं को सामर्थ्य अनुसार उपहार भी भेंट किए गए। प्रातः से ही गली-मोहल्लों में कंजिकाएं घूमती नजर आए। कंजिकाएं मां दुर्गा का रुप मानी जाती हैं। श्रद्धालुओं ने उन्हें अपनी सामर्थ्य अनुसार भेंट भी दी। कंजिकाओं को भोजन कराने का सिलसिला दोपहर तक चलता रहा। अधिकांश व्रती दुर्गा की नवमी मनाते हैं। बहुत से श्रद्धालुओं ने मंदिरों में पहुंचकर कन्याओं को भोजन कराया। मंदिरों में पूरे दिन मां दुर्गा की पूजा-अर्चना व भजन-कीर्तन के आयोजन चलते रहे। बारा हजारी में सर्वजननी दुर्गोत्सव समिति की ओर से सजे पांडाल में भी माता के दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रही। माता की रोजाना आरती व पूजा की जा रही है। समिति की ओर से 21 अक्टूबर को माता की शोभा यात्रा निकालकर प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा।



दुर्गा नवमी पर मंदिर समिति के सदस्यों व श्रद्धालुओं की ओर से मंदिरों में हवन भी किया गया।

हत्यारोपियों की पुलिस ने निकाली परेड देखने के लिए उमड़ी लोगों की भीड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

अगस्त माह में गोकलपुर गांव के पास दो युवकों का मर्डर करने के आरोप में गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपियों को सीआईए की टीम सोमवार को वारदात स्थल पर ले गई। लंगड़ाकर चल रहे आरोपियों को देखने के लिए लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। तीनों को सीआईए ने कोर्ट से 5 दिन के रिमांड पर लिया हुआ है। गत 21 अगस्त को पुलिस को सूचना मिली थी कि गांव गोकलपुर के पास तीन युवक घायल अवस्था में पड़े हैं। सूचना पाकर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। मौके पर गांव मांढैÞया कलां निवासी एक युवक जतिन मृत अवस्था में मिला, जबकि दो अन्य घायल थे। घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान एक और युवक गांव निगानियांवास निवासी हिमेश की मौत हो गई। तीसरे युवक गांव बुड़ाना निवासी यशपाल को मामूली चोटें आई थीं। पुलिस ने मृतक जतिन के पिता देशराज के बयान पर चार गांवों के 9 नामजद सहित कई आरोपियों



के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर मामले में संलिप्त 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। अब इस मामले में पुलिस ने चिराहड़ा निवासी आशीष, धर्मपाल उर्फ सतपाल व आसलवास निवासी सौरव को गिरफ्तार किया है। पुलिस दोहरे हत्याकांड में प्रयुक्त कार व अवैध हथियार भी बरामद कर चुकी है।

सबूत जुटाने के लिए कराई परेड

पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर हत्या के सबूत जुटाने और आमजन के दिल से ऐसे बदमाशों का खौफ निकालने के लिए सोमवार को उनकी गोकलपुर के आसपास पैदल परेड कराई।

नल-नील की सहायता से समुद्र पर पुल का हुआ निर्माण

■ संजीवनी बूटी न पहचानने पर द्रोणाचल पर्वत उठा लाए हनुमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेलवे कॉलोनी में श्री राम मंदिर रेलवे ड्रामेटिक क्लब की ओर से नौवें दिन की रामलीला का पं. मोहन लाल शर्मा के मंत्रोच्चारण व पूजन के बाद धमेन्द्र यादव व मुकेश यादव ठेकेदार हजारीवास ने उद्घाटन किया। इस मौके पर समाजसेवी अरूण कौशिक भी उपस्थित रहे। मंचन के दौरान रावण विभिषण को लंका से निकाल देता है, क्योकि उसको पसंद नहीं आता है कि सीता को वापस प्रभु राम को लौटा दी जाए। विभिषण प्रभु राम के चरणों में पहुंचता हैं, जिसको प्रभु राम लंका का राजा घोषित कर देते है। रामा दल नल-नील की सहायता से समुद्र पर पुल का निर्माण करते है, क्योकि उनको श्राप था कि वे जो भी पत्थर पानी में डालेंगे वो तैरता रहेगा, जिससे सारी सेना समुंद्र पार करती है। अंगद को दूत बनाकर रावण को समझाने के लिए भेजा जाता है। रावण को जब समाचार मिलता है कि रामा दल समुंद्र पार गया तो सभा में युद्ध की रणनीति पर विचार होता है, लेकिन प्रहस्त रावण को फिर समझाने की कोशिश करता है कि सीता को लौटा दे और फिर हमारा पराक्रम देखे, लेकिन रावण को ठीक नहीं लगाता है और प्रहस्त को भी लंका से निकाल देता हैं। दरबार में पहुंचने पर अंगद व रावण के बीच संवाद होता है, लेकिन अंगद की बातों का रावण पर कोई असर नहीं होता हैं।

अंगद अपनी शक्ती प्रर्दशन करता और पृथ्वी पर पैर जमाता है कि यदि कोई भी बलवान मेरे पैर को उठा देगा तो वो सीता को हार जाएगा, लेकिन कोई भी उस के पैर को नहीं हिला पाता है और अंत में अंगद युद्ध का ऐलान करके वापस लौट आता है।



रेवाड़ी। लक्ष्मण के मूर्छित होने पर विलाप करते श्रीराम। फोटो : हरिभूमि

शक्ति बाण से मूर्छित हुए लक्ष्मण

लक्ष्मन हनुमान सहित मेघनाथ से युद्ध करने के लिए जाते है, लेकिन मेघनाथ लक्ष्मन को शक्ति बाण से मूर्छित कर देता है। उनके इलाज के लिए लंका के सुषेण वैध को लाया जाता है, जो द्रोणाचल पर्वत से संजीवनी बूटी प्रातः होने से पहले लाने को कहते है।

इन्होंने किया अभिनय

रामलीला में राम का अभिनय दिवेश शर्मा, लक्ष्मन-मोहित यादव, सुग्रीव-भगत, जामवंत-नवीन, हनुमान-उमेश शर्मा, अंगद-महेश कौशिक, विभिषण-राजेश शर्मा,रावण-मुकेश भारद्वाज, मेघनाथ-ब्रिजेश शर्मा, भरत-प्रहस्त-सौरभ शर्मा, नल-नील-लक्ष्य कौशिक व प्रियांशु सोनी, सुषेण वैध-नीटू गुप्ता समुद देव व डंकिनी-सतीश, रावण का मंत्री-रोहित तथा राजाओं का रोल जितेश, महेश कुमार, प्रिंस, संजय सोनी व जगदीश शर्मा ने निभाया।

डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में गरबा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल पुलिस लाइन दिल्ली रोड में नवरात्र के पावन अवसर पर रास उत्सव के अंतर्गत गरबा एवं डांडिया कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति, परंपरा, भक्ति और उल्लास का सुंदर संगम देखने को मिला। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजे विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने गरबा और डांडिया की मनमोहक प्रस्तुतियों से वातावरण को उत्सवमय बनाया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में नीरू यादव उप प्रबंधक प्रशासन एवं मानव संसाधन जीएलएस एलोपक तथा पंकज रानी उप प्रबंधक प्रशासन एवं मानव संसाधन



उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान गरबा एवं डांडिया की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। पारंपरिक संगीत की मधुर धुनों पर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रास उत्सव ने विद्यालय परिसर को आनंद, उमंग और सांस्कृतिक एकता के रंगों से सराबोर कर दिया।

सतीश स्कूल में नवरात्र पर डांडिया उत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

शसरदीय नवरात्र के उपलक्ष्य में दिल्ली रोड स्थित सतीश पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में डांडिया उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डांडिया की ताल पर महिलाओं व बच्चों ने जमकर नृत्य किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर परिषद की चेयरपर्सन विनीता पिपल ने शिरकत की। इस अवसर पर चेयरमैन ने कहा कि हमारे त्यौहार हम सभी को एक दूसरे से जोड़ने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि आज पूरे देश के अन्य शहरों की तरह रेवाड़ी जैसे शहर में भी डांडिया की धूम है। कार्यक्रम में लक्की ड्रॉ भी निकाले गए। विजेता प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि ने पुरस्कृत किया। स्कूल के चेयरमैन अनिल रस्तोगी ने मुख्यातिथि को स्मृति चिन्ह भेंट किया। प्राचार्या संगीता यादव ने सभी



अतिथियों का आभार जताया। इस अवसर पर केएलपी कॉलेज के उपप्रधान संदीप खंडेलवाल, कोषाध्यक्ष ऊषा रुस्तगी, अग्रवाल महिला समाज की पूर्व प्रधान उमा गुप्ता, अनीता खंडेलवाल, कुसुम अग्रवाल, रुस्तगी समाज की पूर्व सचिव शिल्पा रुस्तगी, शिखा रुस्तगी, इंदु रुस्तगी, मोनिका पण्डिता व एडवोकेट नरेंद्र पिपल सहित बड़ी संख्या में महिलाएं व बच्चे मौजूद थे।

एचसीएस में चयन पर अभिषेक सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

संत कबीर चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से सोमवार को एचसीएस में चयनित अभिषेक माहौर का सम्मान किया गया। ट्रस्ट के प्रधान वेदप्रकाश बनवाल ने कहा कि समाज के होनहार अभिषेक माहौर का एचसीएस में चयन पूरे समाज के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। उनकी सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि समाज के हजारों बच्चों के लिए एक नई उम्मीद और प्रेरणा है। महासचिव दयाराम मोरवाल ने अभिषेक से आग्रह किया कि अपनी व्यस्तता में से कुछ समय निकालकर समाज के उन बच्चों का मार्गदर्शन करें, जो सिविल सेवा और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। इस



अवसर पर ट्रस्ट के संरक्षक ओमप्रकाश डाबला व सुभाष सोलंकी, डा. सतबीर सिंह इंदौरा, दलीप डाबला, विजय डाबला, अशोक सोलंकी, डा. प्रभाती लाल जाटूसाना ब्लॉक प्रधान, शीशराम बागड़ी धारूहेड़ा प्रधान, जगत सिंह निनानियां, अशोक मसीत, प्रकाश खनगवाल, उपप्रधान गजराज नांदा, उमेद सिंह अहरोद, गोपाल मास्टर, राकेश मास्टर, संदीप कंवाली, मुकेश कुमार नाहड ब्लॉक प्रधान व शिव कुमार बोस मौजूद रहे।

डॉन बॉस्को पब्लिक स्कूल में डांडिया

रेवाड़ी। दिल्ली रोड स्थित डॉन बॉस्को पब्लिक स्कूल के प्रांगण में सोमवार को शारदीय नवरात्रि का पर्व सांस्कृतिक ढंग से मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने पारंपरिक वेशभूषा से सुसज्जित होकर बड़े हर्षोल्लास के साथ डांडिया नृत्य प्रस्तुत कर मां दुर्गा के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट की, वही श्री राम के बाल्यकाल से रावण दहन तक की आकर्षक व मनमोहक प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। विद्यार्थियों ने रामायण के सभी किरदारों की वेशभूषा से सुसज्जित होकर सभी को मंत्रमुग्ध किया।



छात्राओं ने डांडियां से स्कूल प्रांगण में खुशी का समां बांधा। स्कूल की प्रधानाचार्या पिंकी तंवर ने बच्चों को मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्श चरित्र से सदाचारी बनने व रावण दहन से बुराई पर अच्छाई की अधर्म पर धर्म की विजय की प्रेरणा दी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 8295554800

रामलीला

मंच से स्वच्छ रेवाड़ी, स्वच्छ हरियाणा व स्वच्छ भारत का संदेश दिया गया

हनुमान ने अशोक वाटिका उजाड़कर किया लंका दहन

■ श्रीराम से मिले विभिषण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

श्री घंटेश्वर महादेव मंदिर आदर्श रामलीला के मंच पर रविवार रात्रि श्रीराम की ओर से हनुमान को सीता की खोज में लंका भेजने, हनुमान की ओर से विभीषण से मुलाकात कर सीता का पता जानने, अशोक वाटिका पहुंचने, श्रीराम की ओर से दी गई मुद्रिका सीता को देने, अशोक वाटिका उजाड़ने, अक्षय कुमार को मारने, मेघनाद की ओर से हनुमान को ब्रह्मास्त्र में बांधकर रावण के दरबार में पेश करने, हनुमान की पूंछ में आग लगाने पर लंका दहन करने, वापस आकर राम को सीता का संदेश देन, रावण की ओर से विभीषण को देश निकाला देने व विभीषण के श्रीराम से मिलने तक की लीला का मंचन किया गया।



रेवाड़ी। रामलीला का मंचन करते हुए कलाकार। फोटो : हरिभूमि

रामलीला का शुभारंभ दो छोटे बच्चों ने किया। श्याम गुप्ता, महेश शर्मा पटवारी व राजेश पंवार ने अतिथियों का स्वागत किया।

मुख्य संरक्षक अशोक शर्मा ने बताया कि रामलीला में ललित ने राम, रूपेश ने सीता, हिमांशु ने लक्ष्मण, विजय पंवार ने रावण, वैभव ने हनुमान, अमित कश्यप ने सुग्रीव, सुनील ने मेघनाथ, गगन ने अक्षय कुमार, सुभाष गुप्ता ने अंगद और करण गुप्ता ने विभीषण का अभिनय किया। संगीत की जिम्मेदारी श्रीपति शेखावत ने निभाई। समिति के सचिव याद के सुगंध, विकास गुप्ता, भारत गुप्ता, मनीष सेन, लोकेश गोयल, बाबूलाल गुप्ता, लालाराम गुप्ता, जयभूषण शर्मा, नानक गुप्ता, काकी अग्रवाल व मोनू डुडेजा ने लीला के मंचन में सहयोग दिया। मंच से स्वच्छ रेवाड़ी, स्वच्छ हरियाणा व स्वच्छ भारत का संदेश दिया गया।

हनुमान ने सीता को दिया श्रीराम का संदेश



रेवाड़ी। श्री शिव रामलीला समिति नई अनाजमंडी की 8वें दिन की रामलीला में समुंद्र के किनारे पर वानरसेना की जटायु से मुलाकात, हनुमान की लंका में विभिषण से भेंट, हनुमान की मां सीता से भेंट, अशोक वाटिका उजाड़ने, अक्षय कुमार वध, हनुमान-मेघनाथ युद्ध, रावण-हनुमान संवाद व लंका में आग लगाने, हनुमान की राम दल में वापसी, विभीषण के रामा दल में आने, समुंद्र में पुल बांधकर लंका तक पहुंचने तक की लीला का मंचन किया गया। रामलीला का शुभारंभ वार्ड पार्षद रीना गुप्ता ने किया। समिति के महासचिव दीपक मंगला ने अतिथियों का स्वागत किया। मुख्यातिथि ने कहा कि प्रभु श्रीराम का जीवन चरित्र हमें मर्यादा, त्याग, कर्तव्यपरायणता और सत्य के मार्ग पर चलना सिखाता है। जब हम भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और संकटमोचन हनुमान की लीलाओं को देखते हैं, तो हमारे अंदर भी अच्छे संस्कार और उच्च आदर्श जागृत होते हैं। लीला में विपिन्न अग्रवाल ने हनुमान, सोमेश सैनी ने अंगद, मनोज गुप्ता ने संपाति, राजेश वर्मा ने जामवंत, बीडी अग्रवाल ने विभिषण, हर्ष गुप्ता ने सीता, आशीष शर्मा ने राम, नवीन लखेरा ने लक्ष्मण, करूणेश ने सुग्रीव, संजीव वशिष्ठ ने रावण, राजेश सैनी ने मंदोदरी, पवन डाबला ने त्रिजटा ने मंत्री का अभिनय किया।

हनुमान को ब्रह्मास्त्र में बांधकर रावण के दरबार में पेश किया

रेवाड़ी। जिले के गांव मैलावास में रामलीला के मंच पर रविवार रात्रि श्रीराम की ओर से हनुमान को सीता की खोज में लंका की ओर भेजने, हनुमान के विभीषण से मुलाकात कर सीता का पता लगाने, अशोक वाटिका में सीता को श्रीराम की ओर से दी गई मुद्रिका देने, अशोक वाटिका तहस नहस करने, अक्षय कुमार को मारने, मेघनाद की ओर से हनुमान को ब्रह्मास्त्र में बांधकर रावण के दरबार में पेश करने, रावण की ओर से हनुमान की पूंछ में आग लगाने, हनुमान की ओर से लंका दहन करने, वापस आकर श्रीराम को सीता का संदेश व चूड़ामणि देने तक की लीला का मंचन किया गया। रामलीला में कृष्ण कुमार मुख्य अध्यापक ने राम, धर्मपाल ने लक्ष्मण, पूर्व प्राध्यापक भीम सिंह ने रावण, गौरव ने मेघनाद, अर्जुन ने अक्षय कुमार, नवीन ने जामवंत, उमराव ने सुग्रीव, लक्की ने विभीषण, नवीन कुमार ने अंगद, हुक्म सिंह ने सीता व रवि शर्मा ने हनुमान का अभिनय कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया।